

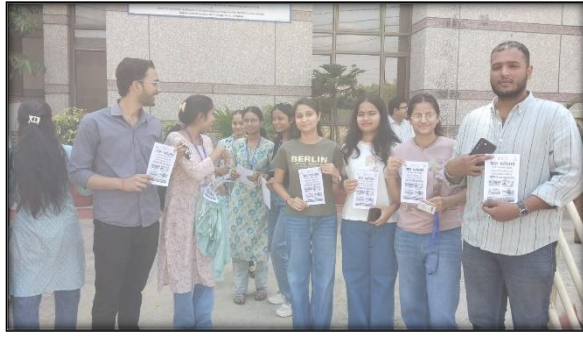


जल महोत्सव का समापन

विश्व जल दिवस के अन्तर्गत जल महोत्सव एक ऐसा महत्वपूर्ण कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य लोगों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करना और जल के महत्व को समझना है। भा.वा.अ.शि.प.–पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा जल महोत्सव 08 से 22 मार्च 2026 का आयोजन किया गया। केन्द्र द्वारा जल महोत्सव का समापन दिवस 22 मार्च 2026 आयोजित किया गया। केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने कहा कि यह कार्यक्रम न केवल जल की उपयोगिता को रेखांकित करता है, बल्कि जल संकट जैसी गम्भीर समस्या के समाधान के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर भी बल देता है। साथ ही उन्होंने कहा कि लोगों को यह समझाया जाता है कि अधिक से अधिक पेड़ लगाने से वर्षा में वृद्धि होती है और भूजल स्तर भी सुधरता है। आयोजित कार्यक्रम में केन्द्र के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी आदि उपस्थित रहे। केन्द्र के कर्मचारियों एवं शोधछात्रों द्वारा जागरूकता अभियान भी चलाया गया, जिसमें बच्चों और युवाओं को जल की हर बून्द के महत्व को समझाया गया। साथ ही, लोगों को यह सन्देश दिया गया कि यदि आज हमने जल को बचाने के उपाय नहीं अपनाए तो आने वाले समय में जल की भारी कमी का सामना करना पड़ सकता है। केन्द्र के शोधछात्रों द्वारा विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर जल संरक्षण जागरूकता चलाया गया साथ ही पम्पलेट भी वितरित किए गए।







जल महोत्सव

8 से 22 मार्च 2026



हर बूंद की है अहमियत, और
हर एक कदम बन सकता है
बदलाव की शुरुआत।



जब ज़रूरत न हो तो नल बंद रखें



टपकते हुए नल और पाइप को
तुरंत ठीक करवाएँ



बारिश के पानी को सहेजें और
उपयोग करें



अपने आसपास के तालाब, नदियों
और जल स्रोतों की रक्षा करें

भा0वा0अ0शि0प0
पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज
(भा0वा0अ0शि0प0- वन अनुसंधान संस्थान देहरादून)





जल महोत्सव

8 से 22 मार्च 2026

हर बूंद की है अहमियत, और
हर एक कदम बन सकता है

बदलाव की शुरुआत।



जब ज़रूरत न हो तो नल बंद रखें



टपकते हुए नल और पाइप को
तुरंत ठीक करवाएँ



बारिश के पानी को सहेजें और
उपयोग करें



अपने आसपास के तालाब, नदियों
और जल स्रोतों की रक्षा करें

भा0वा0अ0शि0प0 पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज

(भा0वा0अ0शि0प0- वन अनुसंधान संस्थान देहरादून)